प्रा तः क्लास 30-3-68 ओमशान्ति पिताश्री . शिव बाबा याद है

ओमशान्ति। भगवानुवाच: बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं। इस दुनिया को आसुरी दुनिया भी कहेंगे। नई दुनिया को दैवी दुनिया कहेंगे। दैवी दुनिया में मनुष्य बहुत थोड़े होते हैं। अभी यथराज भी कितनों को बताना चाहिए जो फैमली प्लानिंग के मिनिस्टर होते हैं। उन्हों को समझाना चाहिए। बोलो फैमलीप्लानिंग की डियुटी तो गीता के कैनन अनुसार बाप ही की है। गीता को तो सभी मानते हैं। गीता है ही फैमली प्लानिंग का शास्त्र। गीता में ही बाप बैठ नई दुनिया की स्थापना करते हैं। यह तो आटोमेटिकली ड्रामा में उनका पार्ट नूंधा हुआ है। बाप ही आकर आदि सनातन देवी-देवता धर्म बाप्पुर नेशनलटी की स्थापना करते हैं। अपने को देवी-देवता धर्म का कहेंगे। गीता में भगवान सिर्फ बतलाते हैं कि मैं आता ही हूं एक धर्म की स्थापना करने। तो इस से फैमली प्लानिंग नम्बरवन हो जायेंगे। सारे विश्व पर जय जय कार हो जायेगा। और एक आदि सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना हो जायेगी। अभी तो बहुत मनुष्य कारण बहुत कचरा हो गया है। इस समय के मनुष्य हैं कुत्ते बिल्ले, अ विच्छू टिण्डन मिशल। शास्त्रों में भी दिखाते हैं शंकर पार्वती पे पिछाड़ी पड़ा। तो चोर्च गिरा और उन से विच्छू टिण्डन पैदा हुये। अभी वास्तव में विच्छू टिण्डन तो इस समय के मनुष्य हैं। अभी जो नई प्लानिंग होती है उस में कुत्ते-कुतरियां विच्छू टिण्डन जैसे थोड़े ही पैदा होंगे। सारी के जनावर पंछी आदि भी अब बड़े फर्स्ट क्लास होंगे। जो देखने से ही दिल खुश हो जाये। डरने की बात ही नहीं। बाप बैठ समझाते हैं तुम ने मुझे बुलाया ही है इसलिए है कि फैमली प्लानिंग करो। अर्थात पतित फैमली को वापस ले जाओ। पावन फैमली की स्थापना करो। तुम सभी कहते थे बाबा आकर पतित दुनिया खलास कर नई पावन दुनिया बनाओ। यह बाप की ही प्लानिंग है। अनेक धर्म खलास कर एक धर्म की स्थापना कर देते हैं। यह तो बहुत फर्स्ट क्लास फैमली प्लानिंग है। देखने से ही दिल खुश हो जाये। ल०ना० को देखने से तुम्हारी दिल खुश होती है ना। वहां तो यथा राजा रानी तथा प्रजा सभी फर्स्ट क्लास होते हैं। तो यह फैमली प्लानिंग कि युक्ति ड्रामा में नूंधी हुई है। तुम बच्चों को समझाना है पारलौकिक बाप तीसतयुगी प्लानिंग फर्स्ट क्लास करते हैं। वाकी कांटों के जंगल को खलास कर देते हैं। इस सारे भंभोर को आग लग जाती है। यह धंधा तो बाप का है। तुम कुछ भी कर नहीं सकते हो। कितनी भी मेहनत करो सक्सेसफुल कोई हो न सके। बाप कहते हैं जब तुम काम बिकार को अपना मित्र समझते हो वह तो बड़ा भारी दुश्मन है। बहुत हैं जो उनको मित्र समझते बड़े हो धूम-धाम से कटारी चलाते हैं। उनका भी एक ऐसा चित्र बनाना चाहिए। कुमार और कुमारी दोनों के हाथ में काम कटारी देना चाहिए। वह उनके गले में वह उनके गले में लगाते हैं। फिर तुम समझाओ बाप कहते हैं काम महाशत्रु है, और फिर तुम काम कटारी चलाते हो। बाप आर्डिनेन्स निकालते हैं उन पर जीत पाओ यह भी ड्रामा में नूंधा है। बिचारों को पता ही नहीं है कि फैमली प्लानिंग कैसे हो रहा है। यह तो परमपिता बाप ही करते हैं। ड्रामा अनुसार फिर यह होनी ही है। सतयुग में होते ही बहुत थोड़े मनुष्य हैं। इसमें प्रश्न की तो कोई बात ही नहीं। बाप प्रैक्टीकल में यह काम कर रहे हैं। यह लोग तो कितना भाषा मारते रहते हैं। एजुकेशन मिनिस्टर को भी तुम समझा सकते हो, अभी के वैरेक्टर्स कितने खराब हैं, देवताओं के वैरेक्टर्स कितने अच्छे थे। मनुष्य बिलकुल ही पत्थर बुद्धि हैं। ऐसे तुम विप्रवाह बादशाह बन कर वाणी चलाओ। बोलो यह तो मिनिस्टर का काम थोड़े ही है। यह तो ऊंच ते ऊंच बाप का ही काम है। उनके राज्य में बराबर एक राज्य, एक एक धर्म एक भाषा थी ना। कितने थोड़े मनुष्य थे जबकि इनका राज्य था। पूछना चाहिए ना। परन्तु ऐसे बोलना बहुत थोड़ों को आता है। बुत2 करते रहते हैं। तो फिर वह स्वाद नहीं रहता। उन्हों को यह चित्र का चित्र दिखाना चाहिए। यह फैमली प्लानिंग बाप ने ही सिखाई थी। अभी फिर कर रहे हैं। उनके राज्य की हो रही है। बाबा ने कहा है यह ल०ना० का चित्र एकदम फ्रन्ट में रखो। और बत्तियां आदि खूब जगाओ कोई भी [illegible] क्लीयर देख सके। बोलो हम यह फैमली प्ला

रहे हैं। यथा राजा-रानी तथा प्रजा। डीटी डिनायस्टिक्स की स्थापना हो रही है। बाकी सभी विनाश हो जावे। तुम कहते भी हो हे पतितपावन आकर हमको पावन बनाओ। सो तो बाप ही बनाये सकते हैं। एक देवी देवता धर्म ही पावन होता है। बाकी सभी खत्म हो जाते हैं। बाबा खुद कहते हैं। बाबा बाबा ऐसे और कोई कह नहीं सकते। ऐसे नहीं कि तुम ब्रह्मा के लिए कहते हो। बोलो शिव बाबा के हाथ में यह प्लानिंग है। सतयुग में यह प्लानिंग हो जाती है। अभी यह है पुरुषोत्तम संगम युग। जब कि मनुष्य पुरुषोत्तम बन जाते हैं। बाबा यह प्लानिंग जीते जी करते हैं। तुम्हारी स्थापना हो रही है। वहां है ही देवी देवतायें। वैश्य शूद्र होते नहीं। यानी वहां फर्स्ट क्लास प्लानिंग है। बाकी सभी धर्म खलास हो जावेंगे। इस बाप की प्लानिंग को आकर समझो। तुम्हारे इस बात को सुन कर तुमपर कुर्बान जावेंगे। यह मिनिस्टर आदि कुछ भी कच्चे तो विकारी हैं ना। फिर विकारी प्लानिंग कैसे बनायेंगे। कितना सहज है। परन्तु ऐसी2 बातें तुम करते नहीं हो। बाप जो ऊंच ते ऊंच भगवान है वह आते ही हैं यह प्लानिंग करने। बाकी सभी अनेक धर्मों को खलास कर देते हैं। हर बात में ही वेद के बाप के हाथ में। पुरानी चीज को खत्म कर नया बना देते हैं। यहां विच्छू टिण्डन आदि कुछ नहीं होते। बाप नई दुनिया स्थापन कर पुरानी दुनिया विनाश कर देते हैं। यह भी ड्रामा में नूंध है। समझाना चाहिए छोटों और भाइयों। इस सृष्टि चक्र के आदि मध्य अन्त को तुम कुछ नहीं जानते हो। बाप बतलाते हैं सतयुग आदि में आदि सनातन देवी देवता धर्म था। वहां न इतने मनुष्य होते हैं न प्लानिंग आदि की बात हो सकते हैं। पहले तो सृष्टि के आदि मध्य अन्त को आकर समझो। सद्गति दाता बाप ही है। सद्गति अर्थात सतयुगी मनुष्य। पहले2 थे ही यह देवी देवतायें। बहुत थोड़े थे। फर्स्ट क्लास धर्म था। बाबा फर्स्ट क्लास प्लानिंग बनाते हैं। काम तो सभी महाशत्रु है। आज कल तो इनके पिछाड़ी प्राण भी देते हैं। कोई किसी के साथ दिल होता है और शादी नहीं कराई जाती है तो वहां पर ही हंगामा मचादेते हैं। यह है ही गंदी दुनिया। एक दो पर भी काम कटारी चला कांटा लगाते ही रहते हैं। सभी हैं डर्टी। शादियां करते हैं फिर जब बुरा होते हैं। तो यह भी चित्र बनाओ उन दोनों के हाथ में कटारी हो। सतयुग में तो काम कटारी की बात ही चलती नहीं। दोनों को फूल मिलते हैं। फूलों की वर्षा होती है। तो ऐसे ही विचार सागर मथन करो। बाबा ईशारे तो देते ही रहते हैं। तुम उनको रिफाईन करो। चित्र में भिन्न2 प्रकार के बनाते हैं तो है ना। ड्रामा अनुसार जो कुछ होता है वह ठीक ही होता है। किसको भी समझाना बहुत सहज है। सभी का अटेन्शन बाप के तरफ चाहिए। बाप का ही यह काम है। अभी बाप ऊपर बैठ कर तो प्लैनिंग नहीं करेंगे। कहते भी हैं जब2 धर्म की हानी होती है आसुरी राज्य हो जाता है तभी आकर इन सभी को खलास कर देवी राज्य की स्थापना करता है। अभी तो अज्ञान नींद में सोये हुये हैं। यह सभी विनाश हो जावेंगे। विकारियों का विनाश होता है जो निर्विकारी बनते हैं वह फैमली आकर राज्य करती है। गायन भी है ब्रह्मा द्वारा स्थापना किसकी? यह फैमली प्लानिंग की। यह प्लानिंग हो रही है। ब्रह्माकुमारियां पवित्र बनती है तो उन्हों के लिए जरूर पवित्र नई दुनिया चाहिए। अभी यह है पुरुषोत्तम संगम युग। बहुत ही छोटा है। 50-60 वर्ष में बहुत अच्छी प्लानिंग कर देते हैं। बाप सभी का हिसाब-किताब चुकुत करा कर अपने घर ले जाते हैं। इतना सारा कचड़ा तो वहां नहीं ले जावेंगे। छोटी आत्मायें जा नहीं सकती। इसलिए बाप आकर गुल2 बनाते हैं ले जाने लिए। तो ऐसी बातों पर विचार सागर मथन करो। तुम रिहलसल करते रहते हो। बाप कहते हैं मैं एकधर्म की स्थापना कराने तुमको रिहलसल करा रहा हूं। यह फैमली प्लानिंग किसने की? बाप कहते हैं कल्प पहले मिशल में अपना कार्य कर रहा हूं। पुकारते भी हो हे बाबा पतित फैमली से बदल कर पावन फैमली स्थापना करो। इस समय सभी पतित हैं। शादियों पर कितना लाखों खर्चा करते हैं। कितना शादमाना करते हैं। और ही पावन से बदल पतित बनते हैं। पहले कमारी पावन होती है। बाद कुमारियां भी बहुत गंदी होती है। कितना भी समझाओ, समझती नहीं।

बस मूत पीने की ही तातलगी रहती है। काम कटारी चलावें, मूत पीवें यही चिन्तन चलता रहता है। ऐसे भी बच्चों को देखते हैं तो बस समझते हैं हम भी काम कटारी चलावें। हनीमून करते जाते हैं ना। काम कटारी चलाने जाते हैं। उसका नाम रखा है हनीमून। सुनते हैं तो दिल होती है हम भी काला मूंह करें। कृष्ण भी पुनर्जन्म लेते हनीमून करते काला बना है ना। इसलिए उनको श्याम-सुन्दर कहा जाता है। ज्ञान चिक्षा पर बैठ सुन्दर बना। फिर काम चिक्षा पर बैठ काला मूंह किया। आजकल तो राम को भी काला कृष्ण को भी काला दिखाते हैं। पूछो तो सही काला क्यों हुये हैं। कहेंगे हम क्या जानें। अरे वह तो रामराज्य में गोरे थे। फिर रावण राज्य में काले बने हैं। बाप अर्थ कितना कल्या समझाते हैं। काम कटारी चलाते2 काले बन गये हैं। कोई2 कुमारियां ऐसी हैं जो काला मूंह करने बिगर रह नहीं सकती हैं। बाबा दिप प्रति दिन बड़े ही कड़े अक्षर देते रहते हैं। लौकिक बाप भी समझाते हैं शादी न करो। काला मूंह हो जावेगा। बाप को भी जवाब दे देती हैं। काला मूंह कर बच्चा जल कर खत्म हो जावेंगी। बाप ने आगे भी बहुत कड़ी वाणी चलाई थी। अभी भी समझाते रहते हैं। अभी तुम बच्चों को भी यही धंधा करना चाहिए। समझाना चाहिए। सभी आत्मा नींद में सोये पड़े हैं। उनको जगाना है। गोरा बन औरों को बनावे तो बाप का प्यार भी जाये। सर्विस ही नहीं करेंगे तो मिलेगा क्या। कोई बादशाह बनते हैं तो जरूर अच्छे कर्म किये हैं ना। यह तो कोई भी समझ सकेंगे। यह राजा रानी है। हम दासियां जरूर आगे जन्म में ऐसे कर्म किये हैं। बुरा कर्म करने से बुरा जन्म मिलता है। कर्म की गति तो चलती ही रहती है। अभी बाप तुमको अच्छी कर्म करना सिखलाते हैं। वहां भी यह तो जरूर समझेंगे अगले जन्मों के कर्मों अनुसार ऐसे बने हैं। बाकी क्या कर्म किये हैं वह नहीं जानेंगे। कर्म गाये जाते हैं ना। जितना जो अच्छा कर्म करता है ऊंच पद पाता है। ऊंच कर्मों से ऊंच ही बनेंगे। अच्छे कर्म नहीं करते हैं तो फिर झाड़ू लगाते हैं। भड़ियां ढोते हैं। कर्मों का फल तो भोगेंगे ना। कर्मों की थ्योरी चलती है। श्रीमत से अच्छे कर्म होते हैं। कहां बादशाह कहां दास-दासियां। बाप कहते हैं अभी फलो करो। मेरी श्रीमत पर चलो तो ऊंच पद पावेंगे। बाप सा0 भी कराते हैं। यह ममा, बाबा बच्चे इतना ऊंच बनते हैं, कर्म है ना। बहुत बच्चियां कर्मों को समझती नहीं हैं। पिछाड़ी को सा0 भी होंगा। अच्छी रीत पढ़ेंगे लिखेंगे तो नवाब बनेंगे। लेंगे पिलेंगे तो होंगे खराब। यह तो उस पढ़ाई में भी होता है। इन में भी होता है। कोई तो कुछ भी समझते नहीं। दिल में होता है अभी शादी कर लेंवें। काला मूंह करने बड़ी खुशी होती है।

तुम भाषण में भी ऐसे समझा सकते हो। इसमें बड़ी युक्ति चाहिए। बोलो यहां कितने कन्यायें होंगी जिनको दिल होती है हम कशादी कर काम चिक्षा पर चढ़ें। भगवानुवाच काम चिक्षा पर बैठने से काला मूंह करते हो। मनुष्यों को तो कुछ भी पता नहीं है। इस समय सारी दुनिया का काला मूंह है। काम चिक्षा पर जल मरे हैं। कहते हैं स्त्री को, कुमारी को देखने से अवस्था गिरती है। यहां तो ऐसी अवस्था नहीं बिगड़ेगी। बाप कहते हैं नाम रूप देखो ही नहीं। तुम भाई3 को देखो। बड़ी मंजिल है। विश्व का मालिक बनना कब किसकी बुद्धि में नहीं होगा। यह ल0ना0 विश्व के मालिक बनेंगे। बाप कहते हैं मैं तुमको स्वर्ग का मालिक बनाता हूं।

बाप का विचार सागर मंथन होता रहता था ऐसे2 समझावें। मिनिस्टर आदि को समझाओ। यह सर्व गुण सम्पन्न ... थे ना। आजकल जिनका तुमनया वलड समझते हो वह क्या करते रहते हैं। क्या गांधी जी सिखलाकर गये हैं। रामराज्य बनाने की यह युक्ति है। यह तो बाप का ही काम है। असुर विकारी थोड़े ही रामराज्य स्थापन करते हैं। देवतायें तो श्वर प्युर थे। 2। जन्म पावन फिर 63 जन्म पतित बन जाते हैं। समझाने में इतना मस्त बनना चाहिए। शेठ बकरियां क्या समझा सकी हैं। बाप कहते हैं सर्विस पर चढ़ो। तो आर हो सो जाते हैं। तकदीर में न है तो बाप क्या कर सकते हैं। बाप बच्चों को समझाते रहते हैं। बच्चे पावन बनो। काम

*1 *2

[illegible] इन पर जीत पाने [illegible] करो। मेरी बाबी की सच्चा [illegible] रखो। बाबी अक्षर फिर उन्हों ने ब्रह्मा की [illegible] दिखला दी है। तो बाप कहते हैं माया पर जीत पहनो। परन्तु माया भी ऐसी है जो एकदम नाक से पकड़ गटर में गिरा देती है। गटर में गिर कर माथा न मुड़ाये लो। शुरू में बाबा बहुत कड़ी वाणी चलाते थे। [illegible] दिन दी मेजर ... ऐसे2 अक्षर कहते थे। न खुद अमृत पीते हो, न औरों को पीने देते हो। बड़े आदमी आते थे। बाबा की बड़ी जोर से वाणी चलती थी। विश्व [illegible] मिलने से बड़ा [illegible] हंगामा कर दिया। कोर्ट में बाबा को कहने लगे इनको पकड़ो तो [illegible]। और हम तो भगवान के महावाक्य सुनाते हैं काम महाशत्रु है। पावन बनना है। यह तो गीता के वचन हैं। मैं क्या कहूं। बोले नहीं तुम कहो। अच्छा कह देता हूं। दिल में समझता था बच्चों की समझ है। ऐसे थोड़े ही वह भी मान लेंगे। राजी करने की युक्ति रचनी पड़े। कितना झगड़ा हुआ। सभी को कहा चिट्ठी लिखा कर आओ हम ज्ञान अमृत पीने जाते हैं। कितना हंगामा हो गया। अतुवार में पड़ गया एक कृष्ण आया है उनको 16108 रानियां चाहिए। ... अभी एक एक से बैठ कैसे माथा भरें। अतवार ही फिर काम आवे। आगे चल कर अतवारी में भी आवेंगा। तुम्हारी बहुत ही महिमा लिखें निकलेंगी। कहेंगे ब्रह्मा ब्रह्मा वरोवर तो भगवान ने कहा है काम महाशत्रु है। पावन बनो। विश्व में शान्ति की स्थापना करना यह तो बाप का काम है। ऐसी2 बात निकालो। एक बाप हो फेबली प्लानिंग बनावेंगे। ब्रह्मा द्वारा फेमली प्लानिंग की स्थापना। बाकी तो भी बचेंगे उनका शंकर द्वारा विनाश। फिर एक फेबली की ही पालना होगी। वहां और कोई धर्म होता ही नहीं। जैसे बाबा समझाते हैं ऐसे तुम भी समझाओ। सर्विस रबुल बच्चे भी बहुत कम हैं। ऐसी ब्रह्माचारी बैठ जाती हैं। जो उड़ नहीं सकते। कान जैसे कि पत्थर की है। भल नोटस भी लेते हैं परन्तु धारणा कुछ भी नहीं। बाप को प्यारे तो सर्विस रबुल ही लगेंगे। बाबा जानते हैं कौन अच्छे सर्विस करने वाले हैं। कौन [illegible] डिस-सर्विस करने [illegible] वाले हैं। अपने ही दिल से पूछना चाहिए हम बाप को याद में भोजन बनाते हैं। भूल तो नहीं जाते हैं।

समझाने की बड़ी युक्तियां चाहिए। [illegible] आद को बुलाते हो, भाषण आद करते हो तो युक्ति से ऐसा समझाओ। कोई विरला बच्चा है जो विचार सागर मथन कर ऐसी2 सर्विस में मदद करते हैं। खुदाई खिदमत पार होती है। वह समझते हैं खुदा ऊपर से प्रेरणा देते हैं। बाप कहते हैं [illegible] धुर भी नहीं। प्रेरणा आद तो कुछ है नहीं। यह तो ड्रामा बना हुआ है। इसमें प्रेरणा की बात ही नहीं। मैं तो आता ही हूं पतित से पावन बनने का रास्ता बताने। यह तो बहुत बेसर है ब्रह्मा द्वारा स्थापना पावन दुनिया की। बाकी पतित सभी का विनाश हो जावेगा। यह तो बड़ी अच्छी प्लानिंग है। विचार करो नई दुनिया में कौन थे। पुरानी दुनिया को बदलना तो बाप का ही काम है। या इन मिनिस्टर आद का काम है। वे ऐसे2 फ्लक से बोलना चाहिए। क्या तुम समझती हो ऐसा वाणी सभी चला सकेंगे। नोटस लेते हैं तो फिर भी विचार सागर मथन कर वाणी चलाने लिए तैयार होना चाहिए। सिर्फ नोटस लेने से क्या फायदा। चार्ट लिखना और चलन उल्टी चलते हैं तो उन से क्या फायदा। समझा जाता है यह सभी गप्पा लगाते हैं। चलन में फर्क कहां। बोल मीठी कहां। कोई तो लोभी भी बहुत हैं। बस सारा दिन यह खाऊं, यह खाऊं। और पेट में बलाऊं हो जावेगा। तो मुख्य बात बाप समझाते हैं अपने को आत्मा समझो बाप को याद करो तो खाद निकल जावेगी। बड़ा ही फर्स्टक्लास पद पावेंगे। बाप जो विश्व का मालिक बनाते हैं उनको तुम याद नहीं कर सकते हो। भूल जाते हो। कोई कहते हैं निष्ठा कराओ, सामने बिठाओ। बाबा समझता है इन में कुछ भी ज्ञान नहीं है। उनको पता भी नहीं है याद किसको कहा जाता है। [illegible] हुआ तो बस उसमें ही खुश हो जाते हैं। बाबा समझते हैं माया की ब्रह्माचारी हैं। ध्यान में जो जाते हैं अ[illegible] अवस्था बनी है। गुड्डी2 मम्मा आई बाबा आया, फिर कहेंगे विश्वकिशोर आया। कब कुत्ता बिल्ला भी आ जावेगा। सभी प्रवेश करते हैं। कहानी है ना कुत्ता भी साथ गया। कहे2 कहानी व्यास ने बैठ बनाई है। फिर भी यह भक्ति मार्ग के शास्त्र बनेंगे। भगवान ने तो आकर नालेज दी है। वेहद का बाप हमको कुछ में समझाते रहते हैं। अच्छा [illegible] बच्चों को याद प्यार गुडमार्निंग और नमस्ते।